ग़ज़ल -03

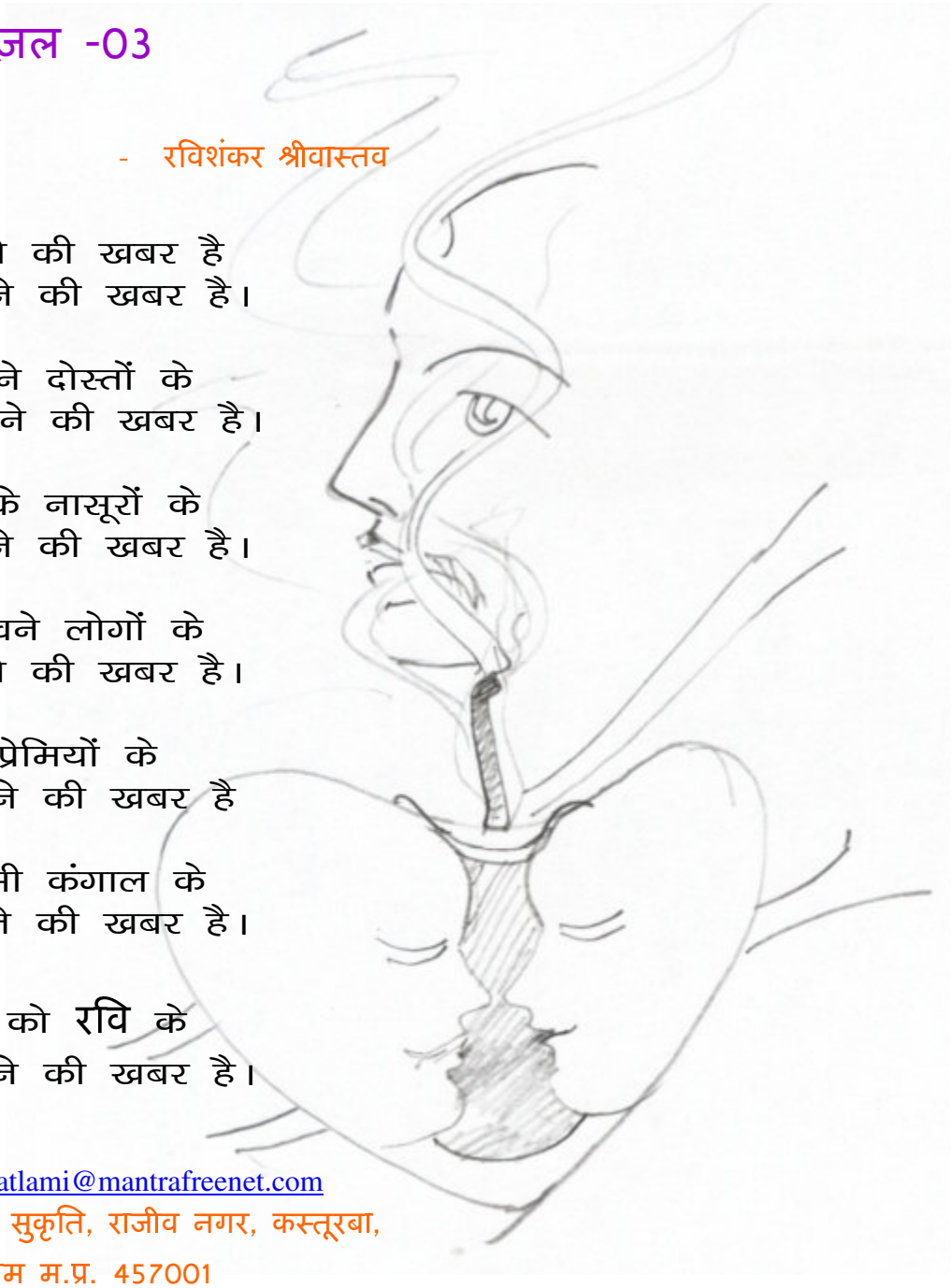

- रविशंकर श्रीवास्तव

जीने की खबर है
मरने की खबर है।

अपने दोस्तों के
जलने की खबर है।

उनके नासूरों के
भरने की खबर है।

डरावने लोगों के
डरने की खबर है।

दो प्रेमियों के
लड़ने की खबर है

किसी कंगाल के
खाने की खबर है।

दर्द को रवि के
सहने की खबर है।

raviratlami@mantrafreenet.com
100, सुकृति, राजीव नगर, कस्तूरबा,
रतलाम म.प्र. 457001